रख ले मुझको भी कान्हा, शरण में तेरी ,

तर्ज - ले तो आया हो हमको सपनो के गांव में

रख ले मुझको भी कान्हा, शरण में तेरी ,
रख ले मुझको भी कान्हा, शरण में तेरी ,
सेवा में अपनी, लगा ले जरा ,
सेवा में अपनी, लगा ले जरा ,

जैसा तू चाहे वैसा, करुँगी श्रृंगार मैं ,
अपने हाथो से तुझे, करुँगी तैयार मैं ,
क्या हैं पसंद, तुझको मोहन, तू बता दे जरा ,
सेवा में अपनी, लगा ले जरा ,
सेवा में अपनी, लगा ले जरा ,

जैसा तू चाहे वैसा ,भोजन बनाऊ ,
अपने हाथो से कान्हा, तुझको खिलाऊ,
क्या हैं पसंद, तुझको मोहन, तू बता दे जरा ,
सेवा में अपनी, लगा ले जरा ,
सेवा में अपनी ,लगा ले जरा ,

जैसा तू चाहे वैसा , भजन सुनाऊ,
भजनों से कान्हा मैं, तुझको रिझाऊ ,
क्या हैं पसंद, तुझको मोहन, तू बता दे जरा ,
सेवा में अपनी लगा ले जरा ,
सेवा में अपनी लगा ले जरा ,

जैसा तू चाहे वैसा, फूल मंगाऊ ,
फूलो से कान्हा मैं, तुझको सजाऊ ,
क्या हैं पसंद, तुझको मोहन, तू बता दे जरा ,
सेवा में अपनी लगा ले जरा ,
सेवा में अपनी लगा ले जरा ,

Bhajan Lyrics - Jay Prakash Verma, Indore

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/35505/title/rakh-le-mujhko-bhi-kanha---sharan-mein-teri

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |